## एनसीएल में सीएसआईआर स्थापना दिवस

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल), पुणे में 26 सितम्बर 2007 को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) का 65 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया । इस अवसर पर डॉ. नरेन्द्र जाधव, कुलपति, पुणे विश्वविद्यालय ने एनसीएल में सीएसआईआर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया । डॉ. जाधव, जो एक विख्यात अर्थशास्त्री हैं, ने **उच्च शिक्षा की समस्याएँ एवं उनकी चुनौतियाँ** नामक विषय पर व्याख्यान दिया ।

डॉ. एस. शिवराम, निदेशक, एनसीएल ने डॉ. जाधव एवं श्रोताओं का स्वागत किया । उन्होंने कहा कि डॉ. जाधव एक सुप्रतिष्ठित अर्थशास्त्री हैं जिन्होंने पिछले तीस वर्षों तक भारतीय रिज़र्व बैंक में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। डॉ. जाधव एक सफल लेखक भी हैं और उनकी मराठी एवं अँग्रेजी में ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं । उनकी कई पुस्तकों का भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में अनुवाद हो चुका है । उनकी अत्यधिक लोकप्रिय मराठी पुस्तक **आमचा बाप आणि आम्ही** के कारण पाठकों के बीच उनकी विशेष पहचान बनी है ।

डॉ. जाधव ने अपने व्याख्यान में 1990 के दशक में आरम्भ किए गए आर्थिक उदारीकरण के बाद से आर्थिक विकास, विदेश मुद्रा भण्डार, उच्च शिक्षा में समस्या एवं उसमें पुणे विश्वविद्यालय की भूमिका, तथा गुणतायुक्त मानवशक्ति निर्माण करने में पुणे विश्वविद्यालय के साथ एनसीएल की भूमिका जैसे विषयों पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि साठ वर्षों के बाद पहली बार देश के लोगों में अपने भविष्य के बारे में अत्यधिक आत्मविश्वास निर्माण हुआ है । वर्ष 1991 में देश को अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा तथा उस समय देश में विदेशी मुद्रा का भी अभाव था । तत्पश्चात देश ने अपनी आर्थिक नीतियों में परिवर्तन किए और धीरे-धीरे देश की विकास दर बढ़ते हुए आरम्भ में साढ़े तीन प्रतिशत से बढ़कर छह प्रतिशत हुई तथा अन्त में नौ प्रतिशत तक पहुँची । डॉ. जाधव ने विकास दर एवं प्रति व्यक्ति विकास दर की तुलना जीवन-स्तर से की। उनके द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों से यह स्पष्ट हुआ कि प्रति व्यक्ति की आय में वृद्धि के कारण लोगों के जीवन-स्तर में पर्याप्त रूप से सुधार हुआ है । अब विदेशी मुद्रा भण्डार भी 200 बिलियन डॉलर से भी अधिक का हो गया है जिससे विश्व में सबसे अधिक विदेशी मुद्रा भण्डार वाला भारत छठवाँ देश बन गया है । पिछले तीन वर्षों से हमारे देश ने दूसरे देशों को ऋण देना आरम्भ किया है जबकि इससे पूर्व यह अपना ऋण चुका रहा था । डॉ. जाधव ने कहा कि यद्यपि विकास की दर की गति तेज हुई है किन्तु इस अर्थव्यवस्था में रोजगार के निर्माण की गति धीमी हुई है, तथा इन दोनो की बीच के अन्तर को कम करने की चुनौती हमारे सामने है । उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंख्या के 24 प्रतिशत लोग गरीबी की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। डॉ. जाधव ने आगे कहा कि सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यद्यपि भारत विश्व में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, किन्तु मानव विकास सूची में सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा आदि पहलुओं के आधार पर भारत का स्थान अन्तिम बीस देशों में आता है। इस सम्बन्ध में सर्वेक्षण किए गए 134 देशों में भारत का 124 वाँ स्थान है ।

डॉ. जाधव ने भारत की एक बड़ी युवा एवं उत्पादक आबादी को उचित शिक्षा एवं प्रशिक्षण देने पर बल दिया । उन्होंने युवा एवं बढ़ती हुई आबादी को देश की सबसे बड़ी सम्पत्ति (जनसांख्यिकीय लाभांश) बताया । उन्होंने भारतीय शिक्षा में पर्याप्त सार्वजनिक निवेश, पुराने हो चुके पाठ्यक्रम तथा

अध्यापकों के प्रशिक्षण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाना जैसी कई समस्याओं की ओर संकेत किया जिनकी ओर तत्काल ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है । तत्पश्चात डॉ. जाधव ने इनमें से कुछ समस्याओं के निराकरण की दिशा में पुणे विश्वविद्यालय द्वारा आरम्भ किए गए कार्यो की जानकारी दी । उन्होंने कहा कि आज पुणे विश्वविद्यालय में सबसे अधिक छात्र शिक्षा पा रहे हैं जिनमें सम्बद्ध संस्थाओं एवं महाविद्यालयों के अलावा बड़ी संख्या में विदेशी छात्र भी हैं । उन्होंने आगे बताया कि पुणे विश्वविद्यालय अपने एवं सम्बद्ध महाविद्यालओं के बीच तीन स्तरों - दृक्-श्रव्य एवं ध्वनि - पर सम्बन्ध स्थापित करने जा रहा है तथा यह व्यवस्था विश्व में इस प्रकार की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के समान ही होगी। उन्होंने कहा कि पुणे विश्वविद्यालय की छात्रों के संप्रेषण एवं अन्य कौशल को उन्नत करके उनका व्यक्तित्व-विकास करने की योजना है । छात्रों के व्यक्तित्व-विकास की इस परियोजना को पुणे, अहमदनगर, नासिक एवं बारामती में शुरु किया जाएगा । पुणे विश्वविद्यालय द्वारा **समर्थ भारत अभियान** के प्रचार का भी प्रस्ताव है जिसके अन्तर्गत प्रत्येक महाविद्यालय अपने पास ही के एक गाँव दत्तक लेकर प्राथमिक शिक्षा, सफाई, पेड़ लगाना, पर्यावरण, जल प्रबन्धन, सांप्रदायिक सामंजस्य, जीआईएस मैपिंग आदि से सम्बन्धित ज्ञान से उन गाँवों के कल्याणार्थ योजनाएँ चलाता है । पुणे विश्वविद्यालय विश्व के अन्य विश्वविद्यालयों के साथ सम्बन्ध स्थापित करके अपने वैश्विक सम्बन्धों को बढ़ाने की योजना भी बना रहा है ।

डॉ. जाधव ने पुणे विश्वविद्यालय की एनसीएल के साथ सामान्य हित के कई क्षेत्रों में कार्य करने की इच्छा व्यक्त की, जिनमें से एक है समाज के हित के लिए उच्च गुणता वाले पीएच. डी. के शोधछात्र निर्माण करना । उन्होंने बताया कि पुणे विश्वविद्यालय, एनसीएल एवं भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान संयुक्त रूप से मौलिक विज्ञान के क्षेत्र में उच्च गुणता की शिक्षा का शक्तिस्थल बन कर एक हजार पाँच सौ से अधिक पीएच.डी. के छात्र निर्माण करने में अपना योगदान दे सकते हैं ।

इस अवसर पर पिछले एक वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए, परिषद की सेवा में पच्चीस वर्ष पूरे करने वाले परिषद के कर्मचारियों, एनसीएल द्वारा आयोजित की गई विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता छात्रों तथा बारहवीं की परीक्षा में विज्ञान एवं गणित विषयों में 90 प्रतिशत एवं अधिक अंक प्राप्त करने वाले परिषद कर्मचारियों के बच्चों को डॉ. जाधव ने स्मृतिचिह्न प्रदान किए । इसके अलावा सीएसआईआर खेलकूद प्रोत्साहन बोर्ड द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कार भी प्रदान किए गए । समारोह के अन्त में डॉ. शिवराम ने आभार प्रदर्शन किया ।

---

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, एनसीएल, (www.ncl-india.org)

पुणे, भारत एक अनुसंधान, विकास एवं परामर्शी संगठन है जो प्रमुखतः रसायन विज्ञान तथा रासायनिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अनुसंधान करता है। इस संगठन का उद्योग जगत के साथ अनुसंधान हेतु सफल भागीदारी का रेकॉर्ड रहा है । राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल) वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) जो भारत में सार्वजनिक निधि प्राप्त सबसे बड़ा अनुसंधान नेटवर्क है, की एक अग्रणी प्रयोगशाला है ।